>

Title: Need to make arrangement for safety of the labour engaged with BRO in Leh.

श्री मधु कोड़ा (सिंहभूम): सभापति महोदय, आपने मुझे अपनी बात रखने की अनुमति दी, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। मैं सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान एक महत्वपूर्ण घटना की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। पिछले दिनों झारखंड के गरीब मजदूर भाई लेह, जहां बार्डर रोड आर्गनाइजेशन यानी बीआरओ के द्वारा रोड बन रही थी, वहां झारखंड के 2500 मजदूर काम करने के लिए गये थे। लेह के बारे में पूरे सदन को मालूम है और पूरे समाचार पत्रों और मीडिया में भी आया कि लेह में बादल फटने से, भारी बारिश होने से वहां पूरी तरह से जन जीवन अस्तव्यस्त हो गया। ऐसी परिस्थिति में हमारे झारखंड के ढाई हजार मजदूर वहां पर फंसे हुए हैं। आज उनके पास रहने के लिए मकान नहीं है। उन्हें खाने के लिए दाना और इलाज के लिए दवा नहीं मिल रही है।

मैं इस सदन के माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूं कि वहां झारखंड के जो ढाई हजार मजदूर फंसे हुए हैं, उनमें से जो मजदूर वापस अपने घर आना चाहते हैं, उन्हें पुनः अपने घर पहुंचाया जाये। दूसरा, जो मजदूर वहां रहना चाहते हैं, उनके लिए भोजन, दवा और रहने के लिए आवास की व्यवस्था सरकार के माध्यम से की जानी चाहिए।

सभापति महोदय, चूंकि यह सबमिशन मेरा पहले नम्बर पर था, इसलिए मैं आपका संरक्षण चाहूंगा, ... *

सभापति महोदय : ठीक है। यह रिकार्ड में नहीं जायेगा।

श्री मधु कोड़ा (सिंहभूम): मैं कहना चाहूंगा कि सरकार उन तमाम मजदूरों को अपने घर ले जाने के लिए सुव्यवस्थित व्यवस्था करे। इसके साथ-साथ सरकार उनके लिए वहां खाने पीने और उनकी सुरक्षा का भी पुख्ता इंतजाम करे।

18.44 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Wednesday, August 25, 2010/Bhadrpada 03, 1932 (Saka).

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.

* Not recorded.